

## सूडान में गृह युद्ध

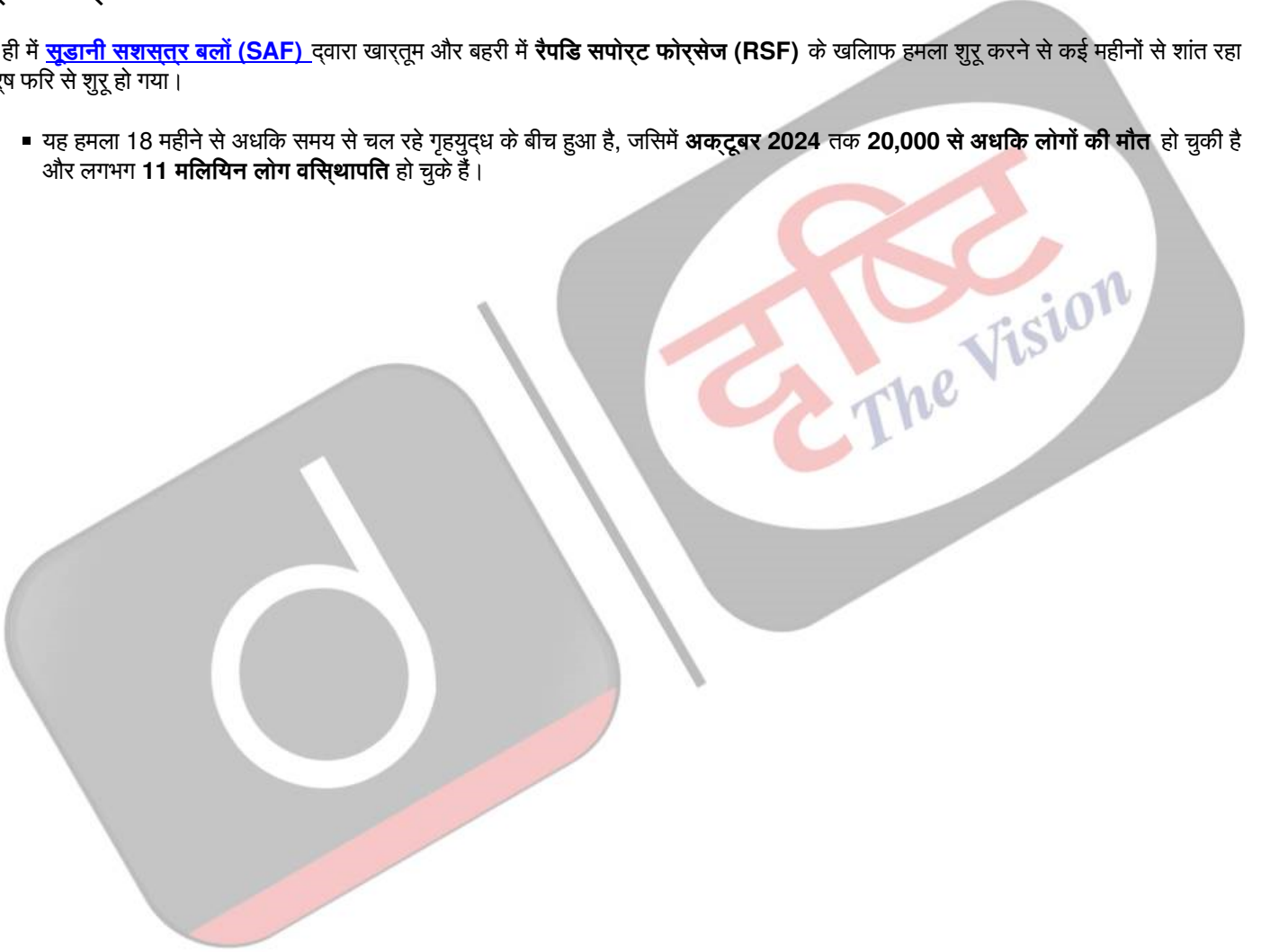
[स्रोत: TH](#)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में [सूडानी सशस्त्र बलों \(SAF\)](#) द्वारा खार्तूम और बहरी में [रैपडि सपोर्ट फोर्सज \(RSF\)](#) के खिलाफ हमला शुरू करने से कई महीनों से शांत रहा संघर्ष फिर से शुरू हो गया।

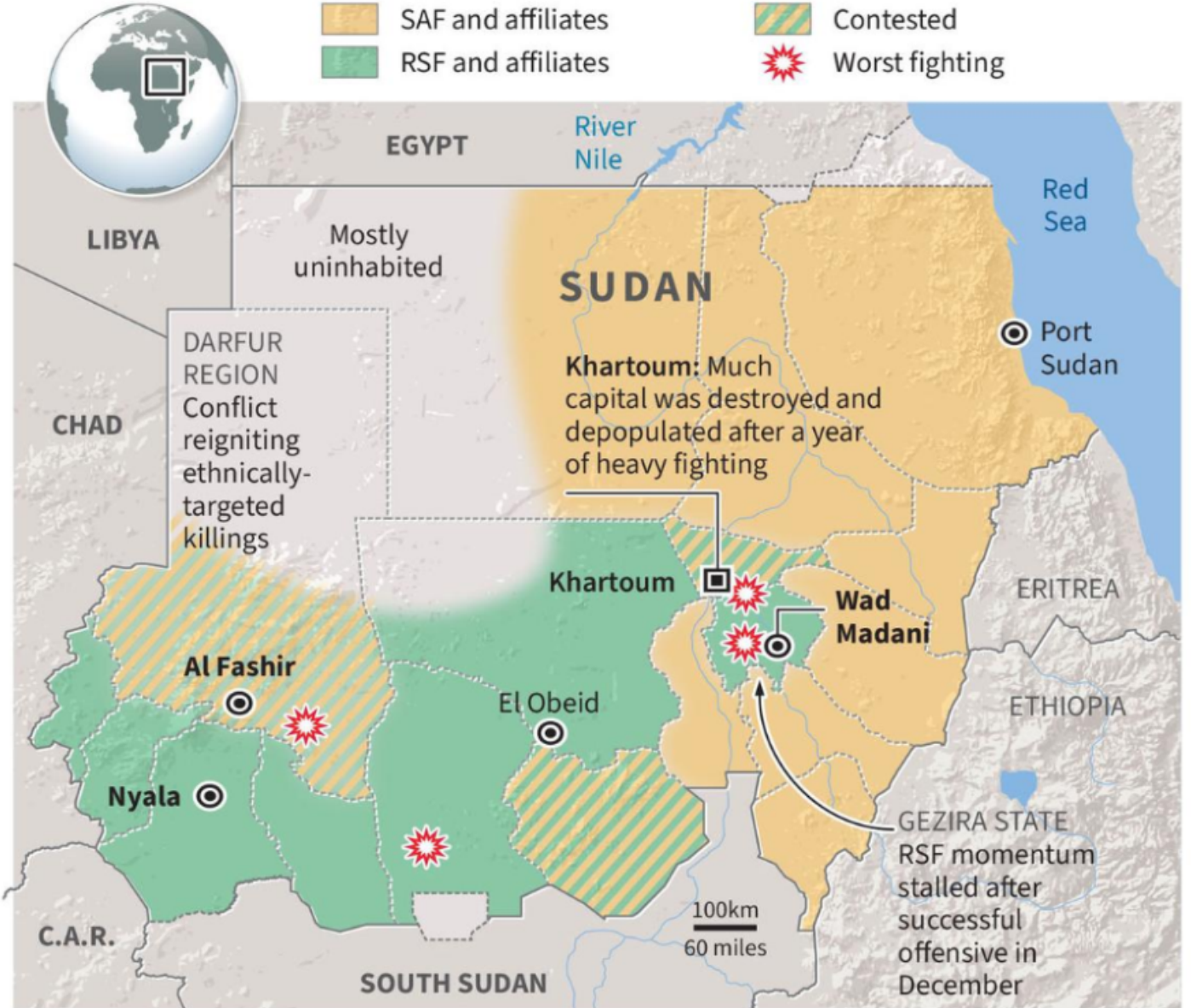
- यह हमला 18 महीने से अधिक समय से चल रहे गृहयुद्ध के बीच हुआ है, जिसमें **अक्टूबर 2024 तक 20,000 से अधिक लोगों की मौत** हो चुकी है और लगभग **11 मिलियन लोग वस्थापति** हो चुके हैं।

//





■ **April 15, 2023:** Power struggle between the Sudanese Armed Forces (SAF), led by Abdel Fattah al-Burhan (left), and the Rapid Support Forces (RSF) militia, led by Mohamed Hamdan Dagalo, known as Hemedti (right), erupted into a full-scale conflict



■ According to the latest UN-backed IPC initiative, 25.6 million people, more than half of Sudan's population, face "crisis or worse" levels of food insecurity

## सूडान में गृह युद्ध का क्या कारण है?

- यह युद्ध SAF नेता अब्देल फतह अल-बुरहान और RSF नेता हमदान दगालो (हेमेदती) के बीच सत्ता संघर्ष में नहिती है।

- इसकी शुरुआत खारतूम में हुई थी लेकिन यह ओमदुरमान, बहरी, पोर्ट सूडान और दारफूर तथा कोर्डोफन राज्यों जैसे अन्य क्षेत्रों में भी वस्तितारति हो गया।
- ऐतहासकि पृष्ठभूमि:
  - एंग्लो-मसिर कौन्डोमनियम के दौरान सूडान, मसिर और बरटिन के अधीन एक संयुक्त संरक्षित राज्य था।
  - सूडान को वर्ष 1956 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई तथा उसे उत्तर में धनी अरब मुसलमिों और दक्षिण में ईसाई/एनमिस्ट से आंतरकि चुनौतियों का सामना करना पड़ा।
  - दो प्रमुख गृह युद्धों, प्रथम (वर्ष 1955-1972) और द्वितीय (वर्ष 1983-2005) के कारण लाखों लोगों की मृत्यु हुई, अत्याचार हुए और अंततः वर्ष 2011 में दक्षिण सूडान अलग हो गया।
  - वर्ष 2005 में दूसरा गृह युद्ध शांति समझौते के साथ समाप्त हो गया लेकिन तनाव और आंतरकि संघर्ष (वर्ष 2005 में दारफूर में) बना रहा।
- उमर अल-बशीर का शासन:
  - बशीर ने वर्ष 1989 में तख्तापलट के जरयि सत्ता हासिल की और 30 वर्षों तक सूडान पर शासन किया।
  - इसके शासन में शरया कानून को लागू किया गया, वदिरोहियों से लड़ने के लयि नजिी मलिशिया (जंजावीद) का इस्तेमाल किया गया तथा अल्पसंख्यक धर्मों पर अत्याचार किया गया।
  - दारफूर में नरसंहार के लयि इसके शासन की नदि की गई, इसमें वर्षि रूप से फूर, जगहवा और मसलति जैसे गैर-अरब समूहों को नशाना बनाया गया।
  - बशीर का तख्तापलट:
    - वर्ष 2019 तक बशीर के दमनकारी शासन के खलिाफ वर्षिध प्रदर्शन तीवर हो गए, जिसके परिणामस्वरूप अप्रैल में SAF और RSF दोनों द्वारा समर्थित तख्तापलट द्वारा उसे हटा दिया गया।
    - इसके तख्तापलट के बाद सूडान सैन्य और नागरकि नेतृत्व के तहत एक संक्रमणकालीन चरण में शामिल हो गया।
- RSF की उत्पत्ति और शक्ति:
  - RSF का उदय जन-जावेद मलिशिया से हुआ, जो दारफूर संघर्ष में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरा, जो व्यापक अत्याचारों के लयि ज़मिमेदार माना जाता है।
  - औपचारकि रूप से 2013 में संगठित RSF ने वर्षि रूप से सोने की खदानों पर नियंत्रण के माध्यम से धन प्राप्त किया।
- संक्रमणकालीन सरकार:
  - बशीर के पतन के बाद, एक संक्रमणकालीन संप्रभुता परिषद का गठन किया गया।
  - प्रधानमंत्री अब्दुल्ला हमदोक, एक नागरकि नेता, आर्थकि स्थिरता चाहते थे, लेकिन वर्ष 2021 में SAF और RSF के नेतृत्व में हुए तख्तापलट ने उन्हें हटा दिया। बाद में उनके इस्तीफे के पश्चात् सूडान में प्रभावी नागरकि नेतृत्व नहीं रह गया।
  - दिसंबर 2022 के समझौते:
    - दिसंबर 2022 के समझौते में नागरकि शासन के लयि दो वर्ष के संक्रमण की रूपरेखा तैयार की गई थी।
    - हालाँकि शस्त्र बलों में RSF के एकीकरण को लेकर तनाव उत्पन्न हो गया तथा बुरहान और हेमेदती के बीच समयसीमा पर असहमति उत्पन्न हुई।
  - वैगनर ग्रुप जैसे वदिशी तत्वों की संलपितता और संयुक्त अरब अमीरात से प्राप्त सैन्य सहायता ने संघर्ष को और जटिल बना दिया है, जिससे इसका समाधान कठिन हो गया है।

## सूडान में नरितर संघर्ष के क्या कारण हैं?

- सत्ता संघर्ष: SAF और RSF दोनों ही सत्ता को सुदृढ़ करने के लयि वृद्ध संकल्प हैं, परत्येक गुट दूसरे पर प्रभुत्व चाहता है।
  - SAF का दावा है, कविह वैध सरकार है, जबकि RSF इसे चुनौती दे रहा है।
- शस्त्र आपूर्ति: वर्ष 2004 के दारफूर संकट के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा शस्त्र प्रतबिंध के बावजूद, देश में शस्त्रों का प्रवाह जारी है।
  - उन्नत सैन्य उपकरण, प्रायः रूस, चीन और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा आपूर्ति किये जाते हैं।
- जातीय तनाव: संघर्ष ने जातीय आयाम ले लिया है।
  - उदाहरण के लयि दारफूर में अरब मलिशिया RSF का समर्थन करते हैं, जबकि मसलति जैसे गैर-अरब समुदाय SAF का समर्थन करते हैं।
- वदिशी हस्तक्षेप: परत्येक पक्ष को बाह्य समर्थन प्राप्त हो रहा है, जिससे समझौता करने या शांति स्थापति करने की उनकी प्रेरणा कम हो रही है।
- असफल शांति वार्ता: कई युद्ध वरिम के प्रयासों के बावजूद, वर्षि रूप से सऊदी अरब और अमेरिका द्वारा जेद्दा घोषणा (वर्ष 2023) जैसे प्रयासों के बावजूद, कोई भी सफल नहीं हुआ है।

